



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 152]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 12, 2000/आषाढ़ 21, 1922

No. 152]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 12, 2000/ASADHA 21, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 2000

विषय :—यूरोपीय संघ के मूल के अथवा वहां से निर्यातित थिओफीलिन और कैफीन के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच आरंभ करना।

सं. 26/1/2000-डीजीएडी.—सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण)नियम 1995 के नियम 5(1) के अनुसार यूरोपीय संघ से थिओफीलिन और कैफीन के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच आरंभ करने के लिए एक याचिका दायर की गई है।

2. **घरेलू उद्योग:** घरेलू उद्योग की ओर से मै. कोरस (इंडिया) लि., थाणे, मै. बकुल अरोमेटिक्स एण्ड कैमिकल्स लि., मुम्बई और मै. बेलियएन्ट इंडस्ट्रीज लि., मुम्बई द्वारा याचिका दायर की गई है। याचिकाकर्ता ने दृढ़ता से बताया है कि इस उत्पाद का एक और उत्पादक मै. एसयू-VI कैमिकल्स लि., मुम्बई भी है। याचिकाकर्ता का 1999 के दौरान थिओफीलिन और कैफीन का उत्पादन देश में हुए उत्पादन का लगभग 85% रहा है और इसलिए वह उपरोक्त नियमों के अन्तर्गत घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने की स्थिति में है।

3. **शामिल उत्पाद:-** विचाराधीन उत्पाद हैं थिओफीलिन, इसके यौगिक, इसके लवण एवं कैफीन, इसके यौगिक तथा इसके लवण और ये उत्पाद शुद्ध रूप में तथा अपरिष्कृत रूप में भी शामिल हैं। थिओफीलिन एवं कैफीन सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के अन्तर्गत वर्गीकृत कार्बनिक रसायन हैं। थिओफीलिन का उपयोग भेषजीय उत्पादन तथा कैफीन का

उपयोग भी शीतल पेय एवं साफ्ट ड्रिंक के लिए किया जाता है। ये उत्पाद सीमाशुल्क उपशीर्ष सं. 2939.30 और 2929.50 के अन्तर्गत परिभाषित हैं। तथापि, यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के लिए बाध्यकारी नहीं है।

4. शामिल देश:- याचिकाकर्त्ता ने जर्मनी संघीय गणराज्य बेल्जियम, फ्रांस और स्पेन, जो सभी यूरोपीय संघ के सदस्य हैं, से संबद्ध उत्पाद के पाटन के साक्ष्य उपलब्ध कराए हैं। चूंकि ईयू में विभिन्न सदस्य देशों के बीच सीमाशुल्क का कोई निश्चित सीमा क्षेत्र नहीं है, इसलिए यह तर्क दिया गया है कि इस जांच के उद्देश्य के लिए ईयू को ही जांच के अधीन संबद्ध क्षेत्र माना जाए। याचिकाकर्त्ताओं के अनुरोधों को स्वीकार किया गया है और वर्तमान जांच ईयू (जिसे इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) के राज्य क्षेत्र के विरुद्ध है।

5. समान वस्तु:- याचिकाकर्त्ता का दावा है कि उसके द्वारा उत्पादित माल, संबद्ध क्षेत्रों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित माल के समान वस्तु है। इसलिए जांच-प्रयोजन के लिए याचिकाकर्त्ता द्वारा उत्पादित माल को नियमों के अर्थों के भीतर संबद्ध क्षेत्र से आयातित ऑफोफेलिन, इसके योगिक, उनके लवणों और कैफीन, इसके योगिक और इसके लवणों, शुद्ध तथा अपरिष्कृत दोनों ही रूपों में (जिसे इसके बाद संबद्ध वस्तु कहा गया है) के समान वस्तु माना जा रहा है।

6. सामान्य मूल्य:- याचिकाकर्त्ता ने यूरोपीय संघ में संबद्ध वस्तु की कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया है। प्राधिकारी को यूरोपीय संघ में संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य से संबंधित पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य दिए गए हैं।

7. निर्यात कीमत:- निर्यात कीमत का दावा वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय, कलकत्ता द्वारा संकलित एवं सीमाशुल्क प्राधिकारियों से संकलित वास्तविक आयातों के आंकड़ों के आधार पर किया गया है। निवल निर्यात मूल्य का हिसाब लगाने के लिए उतराई प्रभार, समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, पत्तन प्रभार इत्यादि के लिए कीमत समायोजन का दावा किया गया है। ईयू से संबद्ध वस्तुओं के लिए निर्यात कीमत और दावाकृत समायोजनों के पर्याप्त साक्ष्य हैं।

8. पाटन मार्जिन:- इस बात के प्रथम दृष्टया पर्याप्त साक्ष्य हैं कि संबद्ध वस्तुओं का यूरोपीय संघ में सामान्य मूल्य, निवल निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथम दृष्टया संकेत मिलता है कि यूरोपीय संघ के निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है।

9. क्षति एवं कारणात्मक संबंध:- क्षति से संबंधित विभिन्न मानदण्ड जैसे घरेलू कीमत में गिरावट जिसके कारण कम बिक्री वसूली हुई, घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में गिरावट आदि, समग्र तथा संचयी रूप से प्रथम दृष्टया यह बतलाते हैं कि घरेलू उद्योग को संबद्ध वस्तुओं के पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

10. पाटनरोधी जांच की शुरुआत:- उपरोक्त पैराग्राफों को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी, संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं की कथित डम्पिंग होने उसकी मात्रा तथा उसके प्रभाव की पाटनरोधी जांच आरंभ करते हैं।

11. वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि 1 अप्रैल, 1999 से 31 मार्च, 2000 (12 महीने) तक की है।

12. **सूचना देना:** निर्यातकों और आयातकों को जिनके संबद्ध होने की जानकारी है, और घरेलू उद्योग को अलग से लिखा जा रहा है ताकि वे सभी संबंधित सूचना निर्धारित रूप में तथा निर्धारित ढंग से प्रस्तुत कर सकें। अन्य कोई हितबद्ध पार्टी से मौजूदा जांच में भाग लेना चाहे वह नीचे दिए गए पते पर लिख सकती है:

निर्दिष्ट प्राधिकारी
(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)
भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
उद्योग भवन
नई दिल्ली - 110011

13. **समय सीमा:** इस जांच से संबंधित सभी सूचना लिखित रूप में दी जाए जो उपरोक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर पहुंच जानी चाहिए। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है या प्राप्त सूचना अधूरी है, तो प्राधिकारी उपरोक्त नियम के अनुसार रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्ष दर्ज कर सकता है।

14. **सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण** नियम 6(7) के अनुसार रूचि रखने वाली कोई भी पार्टी उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं।

15. यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है या महत्वपूर्ण ढंग से जांच में बाधा डालती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्ष दर्ज कर सकता है तथा केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिश कर सकता है।

रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI DUMPING & ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th July, 2000

Subject : Initiation of anti-dumping investigation concerning import of Theophylline & Caffeine originating in or exported from the European Union.

No. 26/1/2000-DGAD.—A petition for initiation of anti dumping investigation concerning the import of Theophylline & Caffeine from the European Union has been filed in accordance with Rule 5(1) of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995

2. **Domestic Industry:** The petition has been filed by M/s. Kores (India) Ltd., Thane, M/s. Bakul Aromatics & Chemicals Ltd., Mumbai and M/s. Valiant Industries Limited, Mumbai on behalf of the domestic industry. The petitioners have averred that there is one more producer of the product, M/s. SU-VI Chemicals Limited, Bombay. The petitioners' production of Theophylline & Caffeine during 1999 accounted for approximately 85% of the total production in the country and therefore have a standing to file the petition on behalf of domestic industry under the Rules aforesaid.

3. **Product Involved:** The products under consideration are Theophylline, its derivatives, salts thereof and Caffeine, its derivatives and its salts and includes these products in pure as well as crude form. Theophylline & Caffeine are organic chemicals classified under chapter 29 of the Customs Tariff Act. Theophylline is used for pharmaceutical formulations and Caffeine is also used for beverage and soft drinks. The products are defined under Custom sub-heading 2939.30 and 2929.50. The classification is, however, indicative only and is not binding on the scope of the present investigation.

4. **Countries involved:** The petitioners have provided evidence of dumping of the product involved from the Federal Republic of Germany, Belgium, France and Spain- all members of European Union (EU). As there are no custom boundaries in the EU between various member-countries, it has been argued that for the purpose of this investigation EU should be treated as a territory subject to investigation. The submissions of the petitioners have been accepted and the present investigation is against the territory of EU (hereinafter referred to as the subject territory).

5. **Like Article:** The petitioners have claimed that the goods produced by them are 'like article' to the goods exported, originating in or exported from the subject territory. Therefore, for the purpose of investigation, the goods produced by the petitioners are being treated as 'like articles' to Theophylline, its derivatives, salts thereof and Caffeine, its derivatives and its salts, both in pure as well as crude form (hereinafter referred to as subject goods) imported from the European Union within the meaning of the Rules.

6. **Normal Value:** The petitioner has claimed normal value based on the prices of the subject goods in European Union. Sufficient prima facie evidence has been presented to the Designated Authority with regard to the normal value of subject goods in the EU.

7. **Export Price:** The export price has been claimed on the basis of the data compiled by the Directorate General Commercial Intelligence & Statistics, Calcutta and the information on actual imports compiled from Customs authorities. Price adjustments have been claimed on account of landing charges, ocean freight, marine insurance, commission, port handling etc., to arrive at net export price. There is sufficient evidence of export price and the adjustments claimed for the subject goods from EU.

8. **Dumping Margin:** There is sufficient prima facie evidence that the normal value of the subject goods in the EU is significantly higher than the net export price indicating prima facie that the subject goods are being dumped by the exporters from the EU.

9. **Injury and Causal Link:** Various parameters relating to injury such as suppressed domestic price resulting in low sales realisation, decline in the sales volume of the domestic industry etc., collectively and cumulatively prima facie indicate that the domestic industry has suffered material injury on account of dumping of subject goods.

10. **Initiation of Anti Dumping Investigation:** The Designated Authority, in view of the foregoing paragraphs, initiates anti dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

11. The period of investigation for the purpose of present investigations is 1st April 1999 to 31st March 2000 (12 months).

12. **Submission of Information:** The exporters and importers known to be concerned and domestic industry are being informed separately to enable them to file all information relevant in the form and manner prescribed. Any other party interested to participate in the present investigation may write to:

**The Designated Authority
(Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties)
Government of India
Ministry of Commerce & Industry
Udyog Bhavan
New Delhi-110011**

13. **Time Limit:** All information relating to this investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the above address not later than 40 days from the date of publication of this notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record their findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules supra.

14. **Inspection of Public File:** In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

15. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

RATHI VINAY JHA. Designated Authority

